

DPN 5436

Title : गुह्यकाली सहस्रनाम GUHYAKĀLĪ SAHASRANĀMA

Run. No. 6127

Cat. No. 231

Micro. No.

Subject ह्योत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 24 x 11.3

Folios 12

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / Right hand side formed edges all.

Beginning, colophon, post-colophon :

So folio numbers are not visible.

सना॥ वक्ता वक्ता निनावाला वडु विघु विनाशिनी॥ वल्लवी वल्लवमीति तिर्न
 रूपिणी॥ वल्लारा ध्यावल्लाराति वल्लवैरिनिवेविता॥ वाद्यप्रियावा
 वादनतत्परा॥ वामदेवप्रियावामी वासुदेवात्रिवंदिता॥ वाराणा वाराणाधीना
 लवाटिविहारिणी॥ वाराणा वरदावन्यावनमाला विभूषणा वल्लका वारिणी
 वीरावैद्यशास्त्रविशारदा॥ वाराही वारणी वीरा वाक्यतिष्ठवरप्रदा वसुधा
 पात्री च वसुवासुकिरूपिणी॥ वाग्देवी वक्तरूपा च वेदवाहविनोदिनी वं
 यावरारोहो वरंगी वरलोचना॥ वरास्यावरहस्ता च वरदावरशालिनी॥ व

गुह्यपाली सहस्रनाम २३१

गु०

दृंदारकाराध्या वृन्दावनविहारिणी ॥ वरुणावरुणा राध्या वरुणा नंददायिनी ॥
 ह्यरूपा ब्रह्ममूर्ति ब्रह्माणी ब्रह्म संस्तुता ॥ ब्रह्मी ब्रह्ममयी ब्रह्मा ब्रह्मानंदस्वरू
 णी ॥ वैष्णवी विष्णुरूपा च विष्णु चित्तप्रियंकरी ॥ विद्याविद्या धराराध्या वि
 त्तस्वरूपिणी ॥ विशदा विशदा चारा विशदानंददायिनी ॥ विपुला विपुला
 णि विपुलस्तनमंडला ॥ विमला विमलांगी च विमलाचारसंस्थिता ॥ विमला
 गम्यसुरति वशिष्ठा वसुवेष्टिता ॥ विकाशिनी विकाशाद्या विकचंजुला
 ना वशिनी वारुणी विश्वावेश्वानरप्रिया सदा ॥ वाराणसी वाराध्या

वस्वरूपा च सर्वदेवमयी प्रुभा ॥ सर्वंगसुंदरी सुप्रभा ॥ सर्वसौभाग्यदायि
 कामप्रवीणा च सर्वकामप्रसाधिनी ॥ सर्वकल्याणसंयुक्ता सर्वप्रदणा
 सर्वभृंगारवेशाख्या सर्वसंपत्तिदायिनी ॥ समारूपा शमी ॥ शमी शमी
 तिनी ॥ सागरा सागराराध्या सागरालयवर्दिता ॥ स्वरूपा सुस्वरूपा च स्वरू
 कुचमंडला ॥ सुमतिः सुमतिप्रख्या सुमतेदायिनी सुधा सकला सकला
 सकलानंददायिनी ॥ सूचिता सुचरित्रा च सुपुण्या जनवर्दिता ॥ सावित्री च
 वित्री च सवितृ मूर्ति पूजिता ॥ सुमना सुमनाराध्या सुमरो गणवर्दिता ॥

३०

नीशमनाशामासामान्यजनत्राविता॥ स्वर्णप्रियास्वर्णरत्नास्वर्णवल्गुनिवा
नी॥ स्वर्गदास्वर्गरूपाचस्वर्गभाग्यप्रदायिनी॥ स्मरप्रियास्मरणीयस्मरणी
यप्रिया॥ स्मृतिः स्मृतिस्वरूपाचस्मृतिगम्यास्मृतिप्रिया स्मृतिगम्या
चस्मृतिगम्यास्मृतिप्रिया॥ स्मृतिगम्यास्मृतिप्रिया स्मृतिप्रतिस्मरणीया
ररूपास्मरारातिः स्मरजीवनदायिनी॥ स्मरणोन्मादिनी स्मरणीयस्मरणी
नसा॥ सरसासरसांगी च सरसी सारसारिणी॥ सारसाचारसारसार
रुलोचना॥ संसारसारासंसारसंसारप्रयहोदिनी संसारनिर्मा

सारपापनाशिनी॥ संसारमूलशक्तिश्च संसारसाररूपिणी॥ सं
यिनी सर्वशक्तिस्वरूपिणी सुमुखी च सुवदना सुचारु कुटिलाकारा
सुवचोवीची सुनासा सुविलोचना सर्वव्याधिप्रशमनी सर्वविघ्ननिगशि
वारं प्रसमारंभ्रा सर्वसंप्राररूपिणी॥ सालसांगी सालकोस्याम
धिनी॥ सर्वमुक्तिस्वरूपा च सर्वरक्षास्वरूपिणी॥ हे माहे सवती नारायण
लनिवासिनी॥ हिमाचलसुता हीरा हे मालंकारधारिणी हिताहितार्थ
हितकत्री हितार्थदा॥ हरधीश्वराराध्या हरानन्दाहरास्तेका हारिणी

समा २

गु०

पनाहीरहारविश्रुषाण॥ हविणीहररूपाचहरिरुजनिदसिनी॥ हारस्या
युक्तिश्चद्रीइकाराचररूपिणी॥ समावतीकांतिः स्रुधमप्रवर्तिनी॥
प्रसरूपाचस्रुधाहीमूर्तिधारिणी॥ हयिनीस्रयकतीचस्रयकरी॥
संकरीस्रममूर्तिहमाज्ञांतिः स्रयास्रमा॥ इतीहंपरमगुह्यताम्ना
कं॥ गुह्येष्टयामहाप्रागुशिवेनोक्तंघटोदुव॥ सतस्मपठनादुपिद्वारा
विशेषतः॥ शिवतुल्योभवेद्विप्रनात्रकाय्यविचारणा पुना॥
धनार्थीलभतेधनं॥ कन्यावरमवाप्नोतिवरः कन्यामनुजसं

नकामूर्तिरूपिणी॥ मृणालीकोमलांगीचमृणालभुजवल्ली॥ मृणाल
लाचमरालमदगामिनी॥ माहेशीमहिषारूढामृत्युप्रीतिस्रयंदरी॥ याहि
यज्ञसेनीयज्ञांगीयज्ञरक्षिका॥ यज्ञमातायज्ञप्रोक्तीयज्ञेशीयज्ञरक्षिका॥ याहि
यमुनायाम्नायेयायायाययाया॥ यज्ञः स्विनीयज्ञः पूर्णायज्ञः यज्ञसचि
॥ यमुनायमद्वीचयमरूपायमायमा॥ यमद्वारायमारातिर्यममाताय
ता॥ यमनीयाचयानांगीयातायातस्वरूपिणी॥ यविनीयवरूपाचयवदगव
णी॥ यवप्रोक्तीयवावाणीयममूर्तिस्वरूपिणी॥ योगाद्यायोगसंयुक्तायागदा

गङ्गालिनी ॥ यो निरूपा यो नियुक्ता योजनीया च योजिनी ॥ रतिरूपा नती रामा
जनी राजनी रमा ॥ रमणी रामली रामा रतिरूपा रति प्रिया ॥ रक्ता रत्न रत्न चर
रक्तानुरक्तमानसा ॥ रसारसवती वासा रसभोजी रसस्वना गङ्गा गङ्गा दि
७० एणी रसना रसना वती ॥ रूपिणी रूपसंयुक्ता रूपीरूपमतीरती ॥ जिनी रा
राज्ञी राजराज निषेविता ॥ रांजी राजती राजी राजीव चारुलोचना राजीव वा
वदना राजसी राजसोत्तमा ॥ रजस्थारजसा वा रज्जु मूर्ति रज्जु निता
रमणसंपन्नारघुनाथ प्रियंकरी ॥ रामाराध्या रमा मूर्ति रमणीयारम

महायोगेश्वरेश्वरी ॥ मानदामानिनी मान्यामाननीयामहेश्वरी ॥ महेश्व
वक्त्रमहापातकनाशिनी ॥ महामान्या महामंत्रा महाकिल्बिषनाशिनी ॥ मह
महादेवी महामंत्रस्वरूपिणी ॥ महारूपा महाकांतिर्महालक्ष्मीर्महामतिः ॥ म
तुष्टिर्महापुष्टिर्महावृत्तिर्महाधृतिः ॥ महाकीर्तिर्महाप्रतिर्मासुर्तिर्महामतीः
मयामाया वती माता महामाया स्वरूपिणी ॥ मोहिनी मोहिनी मन्त्रा मधुपानपरा
णा ॥ मातंगी मन्त्रमातंगी मातंगकुलमंडिता ॥ महालसा महामन्त्रा महप्रणितिलो
चना ॥ मधुरामधुरांगी चमधुरोष्ठी मधुप्रिया ॥ मधुरामधुरावा चामधुरा

गु०

हारिणी ॥ मंदोदरी चमंडा चमन्दै कगलालसा ॥ मंदार हामभूषांगी मंदोद
 वनचारिणी ॥ मदनामदना धारा मदनालसलोचना ॥ मदनीमादिनीमाना
 नांतक कामिनी ॥ मंजुस्वरा मंजुवक्त्रा मंजुमंजीरधारिणी ॥ माधवी माधवाधा
 रा माधवानंददायिनी ॥ मानदा मानशीला चमानमान्या ॥ मित्रदा
 मित्ररूपा च मित्रा मुक्तिस्वरूपिणी ॥ मधुकरी मधुप्रीति ॥ मधुमत्तारलस
 ना ॥ मधुहामधुहंती चमधुसदनवदिनी ॥ मादरे दीमोहिनी याच मादरे
 दितामही ॥ महिषघ्नी महामान्या महिषासुरमर्दिनी ॥ मर्दिनी भालिनी

क्तिः चतुर्वर्गसाधने विनियोगः ॥ अचिंत्याः अक्षररूपा च अमर्यामा अमरे
 अमृता एवमध्रस्था अर्कमंडलवासिनी ॥ अवाक्कलसाणा जोभा अजरा
 राचिता ॥ अतिमादि गुणाधारा अम्वरा म्वरधारिणी ॥ अर्द्धमात्रा मित्रा अर्द्धा
 रिषद्वर्गनाशिनी ॥ अरविंद निशानाया अरविंद निशेता ॥ अंजने ॥ अ
 काशा अमराम्वरपूषिता ॥ अदिति आ जया विद्या धंसि वातुरात्मिका ॥
 नत्ता अंबुजाक्षी च अमावास्या अमा तिथिः ॥ आदि देवी आदि शक्ति राकृति
 दानना ॥ आदित्यमंडलगता आदित्यगनसेविता ॥ आचार्यरूपा आचारा

गु०

वृत्तनिवासिनी॥ आर्द्धा आर्द्धप्रतीकाशा आकाशांतरचारिणी॥ आद्यतरसम
युक्ता आरंभारंभरूपिणी॥ आग्नेयी आसनस्था च आनंदानंदविग्रहा आद्या
दा आम गुण आशा आनन्दविग्रहा॥ इडा विंगलरूपा च इ
दुरूपा इन्दुधरा इन्द्राणी इन्द्रपूजिता॥ इन्द्राक्षी इन्द्रमाता
॥ इन्द्रकोट्टासंयुक्ता इन्द्रसंधानकारिणी॥ इन्द्राक्षी इन्द्रमाता
एणी॥ इडा इडा मयी इला इला सन्नतरुप्रिया॥ उडु उडु उडु उडु उडु मंडला
नी॥ उमा उमा वसपत्नी उपा उडु निप्रानना॥ उडुकोट्टा रूपा उडुम

रक्तावराचरक्ताक्षी रक्तपद्मविलोचना॥ रक्तपद्मस्थितारक्ताक्षी रक्त
सिनी॥ रक्तपद्मधरा रक्तापद्मासननिवासिनी॥ रेवती रेहिणी रेखी रुद्राण
कामिनी॥ रुद्राक्षमालिनी रुद्रा रुद्रमूर्तिस्वरूपिणी॥ राध्या राध्यातमाराध्या
कारामवत्सला॥ रुचिरा रुचिरांगी च रुचिरा रुचिकरी रुचिः॥ रुद्रनेत्रा रुचिराक्षी
जैरवी चर्मवासिनी॥ रौरवाक्षकरी रेखारक्षा लालाक्षी रुद्रिणी लंबोदरी च
वोष्ठी लंबवक्त्रा वलंबिनी॥ लंबसनी लंबहस्ता लंबोदरनिषेविता लक्ष्मी
स्वरूपा च लक्ष्मीनाथप्रियंकरी॥ लक्ष्मण लक्ष्मणालाक्ष्मी लालाक्षी लालाक्षी

३०

ना ॥ लता चलति कावा ला लवंगी लोहिते ज्ञाणा ॥ लीला लीला वनी लीला लीला
 ना रसना वती ॥ लांग लीलांग लाधारा लांगली परिवर्तिता ॥ लिपि लिपि मय
 रवा लिपि मूर्ति स्वरूपिणी ॥ ललना लललीला ला लंके सरनिरोहिता ॥ ललि
 ता ललितांगी चललिता लकशा लिनी ॥ ललिता ललिता लीला ॥ ललिता गण
 विता ॥ लालसा लालिनी लास्या लयलास्य परायणा ॥ शांतिः शांतिकरी
 शीता शीयशी शीवा ॥ शीतार्त शीतला रूपा शीतला म ॥ शुभा शुभा
 रीशंकर प्रीता शिवा शिवनितं विनी ॥ शिवदा शिवरूपा च शिवपाद

या ॥ कालिंदी कालिका कांची कलशोद्भव संस्तुता ॥ काममाता कतुमाता का
 क्रियावती ॥ कुमारी कुन्दनिलया किराती कीरवाहना ॥ कैकेयीको किल पावैत
 कुसुमप्रिया ॥ कमंडलुधरा कूराकर्मनिर्मूलको शिणी ॥ कलहसंगतिः कुजा
 तकोतु कमंगला ॥ कस्तूरी तिलका कम्पाकरी नृगमनाकुटुः ॥ कर्पूरलेपना क
 ह्या कपिला कुहाराश्रया ॥ कूटस्था कुधरा कम्पा कुक्षिस्था किल पिष्टया खड्ग
 धरा खड्गी खचरी खगवाहना ॥ खट्वांगधारिणी ख्याता खगराजोपदि
 ॥ खलघ्नी खंडितजरा खडारवाति प्रदायिनी ॥ खण्डेनु तिलका गंगा गणेश

गु०

प्रजिता ॥ गायत्री गोमती गीता गान्धारी गानलो लुया ॥ गौतमी गा... नी गंधाः
 वीसर सेविता ॥ गोविन्द चरण कान्ता गुणत्रय विधाविता ॥ गंधर्वी गृधरी गो
 गिरी शागद नागमा ॥ गुहा वासा गुणवती गुरुपापप्रणाशिनी ॥ गुर्वी गुणवती
 गुह्या गोपिका गुणदायिनी ॥ गिरीजा गुहमातंगी ॥ गण्डध्वज वस्त्रा ॥ सर्वापहा
 रिणी गोडा ॥ गोकुलस्ता गदाधरा ॥ गोकर्ण निलया मत्ता ॥ गुह्यमंडल वर्तिनी ॥ घृ
 म्मदा घनदा घंटाघोर दानवमर्दिनी ॥ घृणिमंत्र चया घोषा घनसम लुह्या नि
 नी ॥ घंटार वप्रिया घोषा घनसंपन्न दायिनी ॥ घंटार वप्रिया घोषा ॥ घृणि स

घी जित विष्टपा ॥ जिह्वा क्रांत महाज्वाला जायती ज्वलन्त देवता ॥ ज्वलन्ती ज्वलन्त
 वी ज्यो घोषा स्फोट दिश्रुखा ॥ जंत्रनी जंत्रिनी जंत्रा ज्वलन्तमारी ककुण्डला ॥ ज
 ल्लिका गण शी घोषा जं जो मारुत वेगिनी ॥ जल्लरी वाद्य कुशला ॥ षरूपा षध
 जा ॥ टंक वाण समा युक्ता टंकिनी टंक वेगिनी ॥ टंकि कृत गुण देवा टंकनीय न दे
 दरा ॥ टंकार कारिणी देवी टट्ट शब्द निना दिनी ॥ डाकिनी डामरी डिं... मान
 वर्जिता ॥ डामरी तंत्रमो गस्थ्या डमडु मरुवादिनी ॥ डिंडी रवि हस्ता डिं... को
 परायणा ॥ छुं छी विघ्नेश जननी छं का हस्ता छि रि प्रिया ॥ निप्रिया जानन शोषा

३०

तरुणी तरुणी त्रयी ॥ त्रिगुणा त्रिपदाहं त्री तुलसी तुरगासना ॥ विवेकमयनं
ता तुरीयपदगामिनी ॥ तरुणा दिग्गं काशा तामसी तुहिनाश्रया ॥ त्रिकालसा
संपन्ना त्रिवली त्री विलोचना ॥ त्रिशक्ति त्रिपुरातुंगा तुरंगमदनातटी ॥ त्रिगुणि
गिलाती त्रा तिस्रोता तामसादिनी ॥ तत्रातं त्रविशेषत त्रुमध्य त्रिचिष्टपा ॥ त्रि
संध्या त्रिसनी तोषा ताम्बिता लप्रयातिनी ॥ तारकिनी तुरीया त्रा तुहिनाश्रया
सिनी ॥ तंत्रजालसमा युक्ता तारहारवलि प्रिया ॥ तिलहोमप्रिया तीर्थारमा
कुसुमाकृति ॥ तारका त्रिपुरातची त्रिशंगुपरिचारिता ॥ ततोदलितिलो

ग्रहा ॥ पुंडरीकपुरावासा पुंडरीकनिभानन ॥ द्युजंघा द्युभुजा द्युपादा
दरी ॥ प्रवालशाता पिंगा त्री पीतवासा पिलीषला ॥ पञ्चमित्री मेरुपाच पञ्चन्यासि
शीतला ॥ पुराणवेदगम्याच पुराणवेदवंदिता ॥ पद्मरागप्रतीकाशा पद्मरस
स्वरूपिणी ॥ पद्मा त्री पद्मपत्रा त्री पद्ममाला विभूषिता ॥ पंचाली पंचनी पंचा
पंचानन हृदयमोदिनी ॥ पंचकूटसिता प्राची पंचानन निवाहिनी ॥ पाणिनीया
शहस्ताच पञ्चयाशविनाशिनी ॥ पञ्चपाशसमुद्भेद कारिणी पञ्चघातिनी ॥ पञ्च
परशुहस्ताच परलोकभयापहा ॥ फलिनी फलहस्ताच फलाफली फलप्रदा

३०

तादंकोपरिशोभिता ॥ त्रिजगते त्रिरीतृष्या त्रिविधतरुणा कृतिः ॥ तप्तकांचना
शातप्तकांचनभूषण ॥ अथकांचनवर्णाच त्रिकालजाम्बायिनी ॥ तर्पणान्न
तृप्तातामसीतुं वुरुस्तता ॥ तादृश्य्या त्रिगुणकारा त्रिजगीतवचनरी ॥ यका
धारिणी थांताहीहिनी दीनवत्सला ॥ दानवांतकरी दुर्गा दुर्गासुंदर निवर्हिणी ॥ दे
की देवमाता चंद्रोपही दुंदुभिस्वना ॥ देवयानी दुरावासा दंडदेहेहिनी दिव ॥ दाने
दरप्रिया ही प्राहिडिनी देवप्रजिता ॥ दंडकारण्यनिलया देवतादिप्रहृदिनी ॥
ववंधादिविषदा द्वेषिणी दानवाकृति ॥ दीननाथस्तता ही च दिग्वासा देवमो

७०

नी ॥ धात्रीधनुर्धराधेनुधराणीधर्मचारिणी ॥ धुरंधरधराधाराधनदाधाल
 होहिनी ॥ धर्मशीलाधनाध्यक्षाधनुर्वेदविशारदा ॥ धृतिधन्याधृतिपदाधम
 राजप्रियाधुवा ॥ धूमावतीधूमकेशीधर्मशास्त्रप्रवर्तिनी ॥ नंदानंदप्रियानि
 नुनतानंदनात्मिका ॥ नर्मदानलिनीनीलानीलकण्ठसनाभया ॥ नारायण
 यानित्यानिर्मनिगुणनिधि ॥ निराधारानिरूपमानिरमुद्रा ॥ निरंजना ॥ न
 दविंदुकलागीतोनादविंदुकलात्मिका ॥ नारसिंहीनगधरातवरानागभरण
 ॥ नरककोशशमनीनारायणपद्मदा ॥ नीलवंध्यानिराकारानारदप्रिय

ला ३

स्थिता ॥ उदङ्मुखीउदासीनुदहीचिंतुवशीउद्य ॥ उरुस्वनाउरुम्रौ ॥
 विलोचना ॥ उर्द्धास्याउर्द्धकेशीचंडामिलोलविलोचना ॥ उर्द्धमायस्थिता ॥
 अद्धिदाअद्धिरूपिणी ॥ अजरूपाअजुधर्माअजुमार्गवदस्थिता ॥
 रूपाअणदाअजुधर्मप्रवर्तिनी ॥ अतुमृतीअतुमार्गस्थाअकाराक्षररूपि
 लूनारीवरसंभूतालूतादिविषप्रंजिनी ॥ लूनार्तिहारिणी ॥ लूनकुलाश्रिता
 रूपिणी ॥ रकारकाक्षरीमूर्तिरेकमानेकनिष्ठिका ॥ रकात्रवासिनी ॥
 रणशावकलोचना ॥ रेन्दीरेरावतीरूखा ॥ रेहिकामुष्मिकप्रदा ॥ उर्वारी

गु०

षधी ज्योत्स्ना डोत प्रोत निधायिनी ॥ औषधी औषध संपन्ना औपासना कला प्रदा ॥ औ
 ध्या स्थिता देवी अन्धका सुरघातिनी ॥ कात्यायनी कालरात्रि नाही कामसुख
 री ॥ कमलाका सिनी कान्ता कामदा काल कर्णिका ॥ कालिका कालिका कालिका कालिका
 र सुवासिनी ॥ कल्याणी कुन्दलवती कुरुक्षेत्र निवासिनी ॥ अर्चिदं दत्ता कारा
 एली कुमुदालया ॥ काला जिह्वा करारा स्या कालिका कालिका कालिका ॥ कमनीय
 एकांति कलाधारा कुमुदती ॥ कौशिकी कामला वारा कामचार प्रयोजिनी ॥
 मारी करुणा पांगी कुण्ड दत्ता कलिप्रिया ॥ केशिनी केशव नुता ॥